24.04.19

← पाठ-1 →

← भाषा, लिपि और व्याकरण →

1. भाषा का अर्थ –
भाषा के माध्यम से मनुष्य अपने मन के भावों एवं विचारों को दूसरों के समक्ष प्रकट करता है और उनके भावों एवं विचारों को समझता है।

2. भाषा के रूप –
भाषा के दो रूप माने गए हैं –

क) मौखिक भाषा –
अपने मन के भावों एवं विचारों को बोलकर व्यक्त करना मौखिक भाषा के अन्तर्गत आता है।
जैसे: नाटक, फिल्म आदि।

ख) लिखित भाषा –
अपने मन के भावों एवं विचारों को लिखकर व्यक्त करना लिखित भाषा के अन्तर्गत आता है।
जैसे: पत्र लिखना, निबंध लिखना, कहानी लिखना आदि

भाषा के प्रकार:

3. मातृभाषा –
बालक द्वारा परिवार से सीखी जाने वाली भाषा 'मातृभाषा' कहलाती है।

4. राष्ट्रभाषा –
देशवासियों द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

राष्ट्रभाषा कहलाती है। भारत की राष्ट्रभाषा हिन्दी है। अमेरिका की अंग्रेजी, जापान की जापानी आदि।

5. राजभाषा –

देश के कार्यालयों एवं राज-काज में प्रयोग की जाने वाली भाषा को राजभाषा कहते हैं। वह हिंदी एवं अंग्रेजी है। 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में मान्यता मिली। इस दिन को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाते हैं।

6. संपर्क भाषा –

दो भिन्न स्थान के लोगों के बीच विचारों के आदान-प्रदान के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है, उसे संपर्क भाषा कहते हैं। हिंदी भाषा भारत की संपर्क भाषा है।

7. मानक भाषा – विद्वानों ने भाषा में समता लाने के लिए जिस भाषा को मान्यता दी, वह मानक भाषा कहलाती है। केंद्रीय हिन्दी निदेशालय समय-समय पर इनमें परिवर्तन करती है और लोगों को सूचित करती है।

प्राचीन रूप	मानक रूप
खण्ड, मञ्च	खंड, मंच
चिट्ठी	चिट्ठी, चिट्ठी
भ्रम	ह्रस
गयी	गई

8. भारतीय संविधान में २२ भारतीय भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई। असमिया, उड़िया, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, [illegible] तेलुगु, नेपाली, पंजाबी, बांग्ला, बोड़ो, मणिपुरी, मराठी, मलयालम, मैथिली, संथाली, संस्कृत, सिंधी, हिंदी और तमिल।

9. लिपि –

भाषा के लिखित रूप में जिन निश्चित चिह्नों का प्रयोग किया जाए, उसे लिपि कहते हैं।

संस्कृत और हिन्दी की लिपि देवनागरी लिपि है। एक से अधिक भाषाओं की एक लिपि हो सकती है।

राज्य	भाषा	लिपि
पंजाब	पंजाबी	गुरुमुखी
केरल	मलयालम	मलयालम
असम	असमिया	असमी
कश्मीर	कश्मीरी	शारदा। देवनागरी
कर्नाटक	कन्नड़	कन्नड़
बंगाल	बाँग्ला	बंगाली
ओडिशा	उड़िया	उड़िया
आंध्र प्रदेश	तेलुगू	तेलुगू
गुजरात	गुजराती	देवनागरी
महाराष्ट्र	मराठी	देवनागरी

10. भाषा और बोली –

भाषा के क्षेत्र विस्तृत होते हैं तथा इसमें साहित्य की रचना की जाती है। बोली में वस्तुतः साहित्य की रचना नहीं होती, परन्तु जब होती है तो यह उपभाषा में परिवर्तित की जाती है। 'सूरदास' ने 'सूरसागर' तथा 'तुलसीदास' ने 'रामचरितमानस' क्रमशः 'ब्रज' तथा 'अवधी' उपभाषाओं में लिखे।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

27.04.

हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ :

उपभाषा	बोलियाँ
पश्चिमी हिंदी →	कन्नौजी, खड़ी बोली, ब्रज, हरियाणी, बाँगरू, बुंदेली
पूर्वी हिंदी →	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
बिहारी →	भोजपुरी, मगही, मैथिली
राजस्थानी →	जयपुरी, मारवाड़ी, मेवाड़ी, मालवी
पहाड़ी →	पश्चिमी पहाड़ी, मध्य पहाड़ी, (कुमाऊँनी और गढ़वाली)

11) व्याकरण का अर्थ -
व्याकरण के माध्यम से हमें भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है।
व्याकरण के तीन मुख्य भाग हैं -
क) वर्ण विचार
ख) शब्द विचार
ग) वाक्य विचार

12. साहित्य - गद्य तथा पद्य के संचित ज्ञान को साहित्य कहते हैं। साहित्य दो प्रकार का होता है -
क) गद्य साहित्य
ख) पद्य साहित्य

क) गद्य साहित्य -
गद्य साहित्य में साहित्यकार लेख, निबंध, कहानी, यात्रा वृतांत आदि द्वारा साहित्य की रचना करता है। हमारे कुछ प्रमुख गद्यकार हैं - प्रेमचंद्र, जयशंकर प्रसाद, हजारी प्रसाद द्विवेदी, महादेवी वर्मा आदि।

ख) पद्य साहित्य - पद्य साहित्य में साहित्यकारों ने अपने विचार कविता के द्वारा प्रकट किए। हमारे कुछ प्रमुख कवि हैं - कबीरदास, सूरदास, मीराबाई, तुलसीदास, जयशंकर प्रसाद, रामधारी सिंह 'दिनकर' आदि।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera